B.A. (Honours) Semester-III Examination 2016
Hindi (Subsidiary)
Course - S-2.3.7.P.5

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) इस प्रथा से हमारा सर्वनाश होता जा रहा है। मैं तो कहता हूँ; यह गुलामी पराधीनता से कहीं बढ़कर है। इसके कारण हमारा कितना आत्मिक, नैतिक, दैहिक, आर्थिक पतन हो रहा है, इसका अनुमान ब्रह्मा भी नहीं कर सकते।

(ख) क्या होता है उसमें? कभी चार सेर मडुआ, कभी सेर भर सुथनी, कभी पाव-भर अतहुआ–मैंने तो तुम्हारी ऊसर टुकड़ी में दूब भी उगते नहीं देखा।

(ग) प्रेम एक तरह की बीमारी होती है, मानसिक बीमारी जो मौसम बदलने के दिनों में होती है, मसलन क्वार कार्तिक या फागुन-चैत। उसका सम्बन्ध रीढ़ की हड्डी से होता है और कविता एक तरह का सन्निपात होता है।

(घ) देख बे, तूने चाहे जो भी किया, हमसे तो यह सब नहीं देखा जाता। दर-दर भटकता रहता है। कुत्ते-सुअर का जीवन जीता है। आज से इधर-उधर भटकना छोड़ आराम से यहीं रह और दोनों जून भरपेट खा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 2×12=24

(क) उपन्यास कला की दृष्टि से 'गबन' की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'बलचनमा' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ग) 'की सुधा' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(घ) 'जाह्नवी' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।